[This question paper contains 4 printed pages.]

1497 *Your Roll No. .....*

B.A. (Hons.) / III **D**

PHILOSOPHY – Paper VI

(Indian Philosophy – Text)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **Two** *questions from Section* **I, two** *from Section* **II** *and* **one** *short note each from Q. No.* **5** *and* **10.** *Q. No.* **5** *and* **10** *are compulsory.*

खण्ड **I** *से कोई* **दो** *प्रश्न, खण्ड* **II** *से कोई* **दो** *प्रश्न तथा प्रश्न संख्या* **5** *तथा* **10** *में प्रत्येक से* **एक-एक** *टिप्पणी लिखिए। प्रश्न संख्या* **5** *तथा* **10** *अनिवार्य हैं।*

P.T.O.

SECTION I
(खण्ड I)

1. How does Mādhyamika Buddhism interpret 'Svabhāva' ? In this context write an essay on Mādhyamika's understanding of Śūnyatā. (15)

   माध्यमिक बौद्ध सम्प्रदाय में किस प्रकार 'स्वभाव' की व्याख्या की गई है ? इस संदर्भ में माध्यमिकों की शून्यता संबंधी विचार पर एक निबंध लिखिए ।

2. Write an essay on Nāgārjuna's dialectic. Do you think that Nāgārjuna has advanced any thesis of his own ? (15)

   नागार्जून की प्रसंग पद्धति पर एक निबंध लिखिए । क्या आप समझते हैं कि नागार्जुन का अपना कोई मत है ?

3. Discuss Nāgārjuna's view of causality and his critique of svatah and paratah utapatti. (15)

   नागार्जुन के कारणता संबंधी मत और उनके द्वारा की गयी स्वत: उत्पत्ति और परत: उत्पत्ति की आलोचना का विवेचन कीजिए ।

4. *Na saṁsārasya nirvāṇāt kincid asti viśeṣanaṁ/*

   न संसारस्य निर्वाणात् किंचिदस्ति विशेषणम् ।

   Na nirvāṅasya saṁsārāt kincid asti viśeṣanaṁ//
   (MK XXV)

   न निर्वाणस्य संसारात् किंचिदस्ति विशेषणम् ।।

In this context examine in detail the nature of Nirvāna and discuss how the Mahāyāna interpretation of Nirvāna is different from Hinayāna. (15)

इस संदर्भ में निर्वाण के स्वरूप की विस्तृत व्याख्या कीजिए, एवं निर्वाण के विषय में हीनयान और महायान के द्वारा दी गई भिन्न व्याख्याओं का विवेचन कीजिए।

5. Write short notes on any **ONE** :

किसी **एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Samvriti satya and Pāramārthika satya

संवृत्ति सत्य और पारमार्थिक सत्य

(b) The silence of the Buddha on the Metaphysical questions

तत्वमीमांसीय प्रश्नों पर बुद्ध का मौन

(c) Pratītyasamutpāda (7.5)

प्रतीत्यसमुत्पाद

SECTION II
(खण्ड II)

6. Define Perception. Explain the nature and role of *antahkaraṇavṛtti* in perceptual process according to the Vedānta Paribhāṣā. (15)

'प्रत्यक्ष' की परिभाषा दीजिए। वेदान्त परिभाषा के अनुसार प्रत्यक्ष की प्रक्रिया में अन्तः करणवृत्ति की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

7. Expound the nature and importance of Verbal Testimony *(āgama-pramāṇa)* and discuss the four necessary conditions for a meaningful sentence. (15)

आगम-प्रमाण के स्वरूप और महत्व की व्याख्या कीजिए और सार्थक वाक्य के चार अनिवार्य शर्तों का विवेचन कीजिए।

8. *Mokṣa* or the fruit in the *Vedānta Paribhāṣā* is "the attainment of the already attained and the removal of the already removed." Explain. (15)

वेदान्त परिभाषा में मोक्ष या प्रयोजन "प्राप्त, प्राप्ति एवं परिहृत परिहार" है। व्याख्या कीजिए।

9. Explain the distinction between *svarūpa lakṣaṇa* and *taṭastha lakṣaṇa* as discussed in the *Vedānta Paribhāsā.* (15)

वेदान्त परिभाषा में विवेचित स्वरूप और तटस्थ लक्षण की व्याख्या कीजिए।

10. Write short note on any **ONE** :
किसी **एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Inference
अनुमान

(b) Presumption
अर्थापत्ति

(c) Comparison (7.5)
उपमान

(300)